900 to 1100 baskets of betel leaves, a perishable items, are booked and transported to different parts of India bringing about 7 to 8 thousand rupees per day as freight charges from Panskura Railway Station on the S. E. Railway;

(b) if so, whether there is any goods-sheds there;

(c) if not, the reasons therefor;

(d) whether any request for a goods-shed there was made long time ago; and

(e) the steps taken for the construction of a goods shed along with the remodelling works of the Panskura Railway Station?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) During the year 1966-67, on an average, 587 baskets of betel leaves per day were booked The earnings were Rs 4,559 per day

(b) Betel leaf traffic is booked as parcels and is, therefore, dealt with in the parcel shed A parcel shed exists at the station.

(c) Does not arise

(d) A representation for provision of a goods shed at Panskura was received in 1956

(e) No provision has been made for a goods shed in the remodelling plan for Panskura railway station, because after the opening of Panskura-Haldia line, the traffic now dealt with at Panskura is likely to be diverted to stations on the new line. Meanwhile, it is proposed to provide a temporary goods shed

334 डाउन फरक्का सवारी गाड़ी (पूर्व रेलवे) में डकैती

6368. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री ओंकार सिंह :

क्या रेलवे मंत्री 31 मार्च, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 281 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्व रेलवे पर बंश बरिया और बन्देल स्टेशनों के बीच हुई डकैती के मामले में की जा रही पुलिस जांच पूरी हो चुकी है और सम्बद्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है , और

(ख) यदि हां, तो उसका मोटा ब्यौरा क्या है ?

रेलवे मंत्री (श्री सी० मु० पुनाचा) : (क) अभी पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है । अब तक 5 व्यक्ति गिरफ्तार किए जा चुके है ।

(ख) पांच व्यक्तियों में से एक को सबूत न मिलने के कारण छोड़ दिया गया और चार को शिनाख्त की जा चुकी है । पश्चिमी बंगाल के खुफिया विभाग ने आगे जांच करने के लिए मामले को अपने हाथ में ले लिया है ।

उत्तर रेलवे में जनता एक्सप्रेस गाड़ी में आभूषणों का लूटा जाना

6369. **श्री राम सिंह अहीरवाल :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि 30 जनवरी, 1967 को अथवा उसके आस पास उत्तर रेलवे के सारावा और मनोहरगंज रेलवे स्टेशनों के बीच जनता एक्सप्रेस रेलगाड़ी के महिलाओं के एक डिब्बे में घुस कर गुंडों ने 1,000 रुपये की लागत के आभूषण लूट लिये थे , और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?